बायोटेक किसान परियोजना: बीजीय मसाला केंद्र की तकनीकों को बढ़ाने पर जोर

वैज्ञानिक तकनीक से सुलभ हुआ पानमैथी का उत्पादन: चौधरी

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

मूण्डवा में शुक्रवार को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किसान व वैज्ञानिक।

मूण्डवा. सरकार की बायोटेक किसान परियोजना के तहत नागौरी पान मैथी के प्रदर्शन प्लॉट लगाए जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक तकनीक से मैथी का उत्पादन करके किसान की आय में बढ़ोतरी करना है।

यह विचार शुक्रवार को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर के तत्वावधान में मूण्डवा में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भागीरथ चौधरी ने व्यक्त किए। चौधरी ने कहा कि बीजीय मसाला केंद्र की तकनीकों को बढ़ाना है जिसमें मुख्यतः जैविक उत्पादों का उपयोग, उच्च गुणवत्ता का बीज प्रदान करना, गुणवत्तापूर्ण पान मैथी का उत्पादन कर पान मैथी में मूल्य संवर्धन करना है। साथ ही इस परियोजना के तहत नागौरी पान को मसाला बोर्ड की मसाला सूची में इंकित करना तथा पान मैथी को अपनी भौगोलिक पहचान दिलाना है। विशिष्ठ अतिथि प्रधान वैज्ञानिक बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र के डॉक्टर एस एस मीणा ने उन्नत कृषक फैशन क्रियाओं की उपयोगिता के बारे में किसानों को विस्तार से समझाया, साथ ही निर्यात के उच्चतम मापदंडों की जानकारी दी।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर शिवलाल ने पान मैथी की कटाई उपरांत किए जाने वाले कार्यों में सफाई, सुखाना, छटाई व पैकिंग के बारे में बताया। मेथी के मूल्य संवर्धित उत्पाद को बढ़ावा देने पर जोर दिया। डॉक्टर मुरलीधर मीणा ने कहा कि नागौरी मैथी अन्य मसालों की तुलना में अधिक आर्थिक लाभ देती है। कार्यक्रम के अतिथि प्रशांत रंगा ने वैज्ञानिकों के सहयोग से मूंडवा क्षेत्र में चल रहे कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही कहा कि भविष्य में भी हम किसानों के सहयोग की अपेक्षा करते हैं। कार्यक्रम में किसान सहदेव राम ने अपने समूह के होने वाले फायदे के बारे में बताया। इस दौरान 35 किसानों ने भाग लिया। कृषि अधिकारी गब्बर सिंह ने सभी किसान व अतिथियों का आभार जताया।

'पान मैथी किसानों के लिए वरदान'

बीयोटेक किसान हब परियोजना के तहत फील्ड डे का आयोजन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मूंडवा

मारवाड़ मूंडवा में बीयोटेक किसान हब परियोजना के तहत शुक्रवार को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर द्वारा नागौरी मैथी पर फिल्ड डे का आयोजन भागीरथ चौधरी, डायरेक्टर ऑफ साउथ एशिया बायोटेक्नोलॉजी सेंटर जोधपुर, डॉक्टर एस एस मीणा प्रधान वैज्ञानिक बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र व अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के टीम लीडर प्रशांत रंगा के आतिथ्य में किया गया।

भागीरथ चौधरी ने बताया कि भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित बीयोटेक किसान परियोजना पिछले 2 वर्षों में नागौरी मेथी के प्रदर्शन प्लांट लगाए जा रहे हैं, इसका मुख्य उद्देश्य है कि विज्ञानिक जानकारी से मैथी का उत्पादन करके किसान की आय में बढ़ोतरी करना है। बीजीय मसाला केंद्र की तकनीकों को बढ़ाना है जिसमें मुख्यतः जैविक उत्पादों का उपयोग, गुणवत्ता का बीज प्रदान, गुणवत्ता की पान मैथी का उत्पादन करवाकर मूल्य संवर्धन करना है। वहीं अन्य वक्ताओं ने भी पान मैथी की कटाई उपरांत किए जाने वाले कार्यों में सफाई, सुखाना, छटाई करना व पैकिंग आदि के बारे मे बताया साथ ही मूल्य संवर्धित उत्पाद को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि बताया कि किसान कंपनी ग्रीन डेजर्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा जोड़कर भविष्य मे अपनी खेती के उत्पाद की खरीदी व बिक्री कर सकता है जिस पर हम कार्यरत है। कार्यक्रम में किसान सहदेव राम ने अपने समूह के होने वाले फायदे के बारे में बताया कार्यक्रम में कॉवीड प्रोटोकॉल के साथ ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें 35 किसानों ने भाग लिया अंत में कृषि अधिकारी गब्बर सिंह द्वारा सभी किसान व अतिथियों का धन्यवाद दिया गया।

मूण्डवा। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक व अतिथियों के साथ उपस्थित किसान।

मिलना चाहिए।

राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर द्वारा मैथी पर फिल्ड-डे का आयोजन

भास्कर संवाददाता | मूण्डवा

शुक्रवार को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर द्वारा नागौरी मेथी पर फिल्ड-डे का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भागीरथ चौधरी, एस.एस. मीणा प्रधान, अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के टीम लीडर प्रशांत रंगा थे। भागीरथ चौधरी ने बताया कि डीबीटी, एसएबीसी द्वारा पिछले 2 वर्षों में नागौरी मैथी के प्रदर्शन प्लॉट लगाए जा रहे हैं, इसका मुख्य उद्देश्य है कि वैज्ञानिक जानकारी से मैथी का उत्पादन करके किसान की आय में बढ़ोतरी करना है। डॉ. शिवलाल वरिष्ठ वैज्ञानिक पान मैथी की कटाई उपरांत किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया। डॉक्टर मुरलीधर मीणा ने नागौरी मेथी के आर्थिक विश्लेषण करते हुए अन्य मसालों की तुलना में अधिक लाभ की जानकारी दी। कार्यक्रम में किसान सहदेव राम ने अपने समूह के होने वाले फायदे के बारे में बताया। 35 किसानों ने भाग लिया अंत में कृषि अधिकारी गब्बर सिंह द्वारा धन्यवाद दिया गया।

मूण्डवा अम्बुजा फाउंडेशन में किसानों को जानकारी देते हुए अतिथि।